राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • शनिवार • 21 जनवरी • 2023

खेतों तक पहुंचेगी जापानी कृषि तकनीक

हारा न्यूज ब्यूरो

पुर।

ए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में र को जापान के सहयोग से कृषि क्षेत्र ग्यान्वित की जाने वाली मॉडल जना को लेकर अहम वैठक हुई। विवि न व जापानी प्रतिनिधिमंडल के वीच

ानी प्रतिनिधिमंडल ने सए विवि अधिकारियों संग परियोजना के कार्यान्वयन रणनीतिक चर्चा

के क्रियान्वयन को लेकर रणनीति तय ।

ोजना के तहत आरंभ में विवि के एक हेक्टेयर क्षेत्रफल पर विभिन्न ी कंपनियों द्वारा विकसित कृषि कों को प्रदर्शित किया जायेगा व परिस्थितियों के अनुरूप उसका ल्यांकन किया जायेगा। प्रदेश की यु व मिट्टी के अनुरूप जापानी कृषि तकनीक के सफल होने पर विवि के चार हेक्टेयर क्षेत्र में इसे विस्तारित किया जायेगा। इसके वाद व्यापक प्रचारप्रसार के माध्यम से किसानों के खेतों तक संवंधित तकनीक को पहुंचाया जायेगा। गौरतलव है कि कृषि, वन एवं मत्स्य मंत्रालय, टोक्यो जापान व उत्तर प्रदेश सरकार के वीच कृषि क्षेत्र में सहयोग को लेकर एक एमओयू हस्ताक्षरित किये गये थे। करार को आगे वढ़ाने के क्रम में जापानी प्रतिनिधिमंडल ने यहां पहुंच विवि अधिकारियों के साथ रणनीतिक चर्चा की। वैठक में विवि के कार्यवाहक कुलपति डॉ.विजेन्द्र सिंह के साथ ही अधिष्ठाता, निदेशक व वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

जापानी प्रतिनिधिमंडल की तकासी योशिका, काउंसलर जापान व अवे इचिरो, निदेशक साउथ एशिया जापान ने वताया कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना है। जापानी प्रतिनिधिमंडल के डॉ.सुशील यामामोटा, सलाहकार जापान विकास कंपनी ने कहा कि परियोजना के कार्यक्रमों को क्रियान्विन करने के लिए एक वर्किंग ग्रुप वनाया जायेगा। वर्किंग ग्रुप में जापानी कंपनियों के प्रतिनिधि, विवि के वैज्ञानिक व उप्र सरकार के प्रतिनिधि शामिल होंगे। विवि प्रवक्ता डॉ.खलील खान के अनुसार कुलपति डॉ.विजेन्द्र सिंह ने वैठक में तकनीक के टिकाऊ होने, वातावरण को हानि न पहुंचाने वाली, कम खर्चीली व प्रति इकाई क्षेत्रफल पर अधिकतम शुद्ध लाभ वाली होने पर जोर दिया। डॉ.श्वेता यादव के संचालन में संपन्न वैठक में प्रदेश सरकार के विशेष सचिव कृषि व कृषि शिक्षा-अनुसंधान अजय कुमार द्विवेदी, जापानी प्रतिनिधिमंडल के काटसूकी युसुके, होसाका शुन, विवि के डॉ.विजय कुमार यादव, डॉ.सीएल मौर्य, डॉ.पीके सिंह, डॉ.पीके राठी, डॉ.सुभाष चन्द्रा, डॉ.डीपी सिंह समेत अन्य वैज्ञानिक व अधिकारी उपस्थित रहे। वैठक के वाद जापानी प्रतिनिधिमंडल को सव्जी उत्कृष्टता केन्द्र, कल्याणपुर का भ्रमण भी कराया गया।

जापानी प्रतिनिधिमंडल के साथ सीएसए कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारी।

फोटो : एसएनबी

अमर उजाला कानपुर 21/01/2023

किसानों को टिकाऊ खेती करना सिखाएंगी जापानी कंपनियां

सीएसए में जापानी प्रतिनिधि मंडल के साथ चर्चा करते कुलपति डॉ. बृजेंद्र सिंह। संवाद

कानपुर। शहर और आसपास के जिलों के किसानों को जापानी कंपनियां चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एक हेक्टेयर क्षेत्रफल पर टिकाऊ खेती करना सिखाएंगी। खेती की नई-नई तकनीक विकसित करने का काम भी करेंगी।

शुक्रवार को सीएसए, कृषि, वन एवं मत्स्य मंत्रालय टोक्यो जापान और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच 2018 में हुए एमओयू के मॉडल परियोजना सम्मेलन में जापानी प्रतिनिधिमंडल के सलाहकार तकासी योशिका ने ये बातें कहीं। जापान विकास कंपनी के सलाहकार डॉ. सुशील यामामोटा ने कहा कि परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए एक समूह बनाया जाएगा।

कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि तकनीक टिकाऊ, वातावरण को हानि न पहुंचाने वाली, कम खर्चीली और शुद्ध लाभ देने वाली होनी चाहिए। इस मौके पर विशेष सचिव कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान अजय कुमार द्विवेदी, डॉ. विजय कुमार यादव, डॉ. पीके सिंह, डॉ. पीके राठी, डॉ. डीपी सिंह, डॉ. खलील खान और डॉ. श्वेता आदि मौजूद रहीं।

टिकाऊ के साथ ही तकनीकी खेती पर जोर

कानपुर, 20 जनवरी। सीएसए में आज कृषि,वन एवं मत्स्य मंत्रालय टोक्यो जापान तथा उत्तर प्रदेश सरकार के अधीन हस्ताक्षरित करार के अंतर्गत आज मॉडल परियोजना सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें हस्ताक्षरित करार को आगे क्रियान्वयन हेतु विस्तार से चर्चा हुई। जापानी प्रतिनिधिमंडल के साथ-साथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह, अधिष्ठाता, निदेशक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक शामिल हुए। जापानी प्रतिनिधि मंडल के तकासी योशिका काउंसलर (जापान) द्वारा बताया गया कि विश्वविद्यालय की कार्य क्षेत्र के अंतर्गत प्रथमतयः एक हेक्टेयर क्षेत्रफल पर विभिन्न जापानी कंपनियों द्वारा विकसित तकनीकों को प्रदर्शित किया जाएगा तथा तकनीकी का स्थानीय परिस्थिति के अनुरूप पुनर्मूल्यांकन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जब तकनीकी उत्तर प्रदेश की जलवायु एवं मिट्टी के अनुरूप सफल हो जाएगी। तब उसे विश्वविद्यालय के चार हेक्टेयर प्रक्षेत्र पर विस्तारित किया जाएगा तथा बाद में व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से किसानों के खेतों तक भी पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम में अबे इचिरो निदेशक साउथ एशिया जापान द्वारा बताया गया कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य किसानों की आर्थिक स्थिति को शुद्रन करना होगा। कार्य योजना बनाने के साथ-साथ समय-समय पर भविष्य की रणनीति तय करते रहेंगे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान बताया कि सीएसए के कुलपति डॉ बृजेंद्र सिंह द्वारा बताया गया कि तकनीकी टिकाऊ होनी चाहिए, वातावरण को हानि न पहुंचाने वाली हो, कम खर्चीली तथा प्रति इकाई क्षेत्रफल पर अधिकतम शुद्ध लाभ दे सके इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के विशेष सचिव कृषि,कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान अजय कुमार द्विवेदी, जापानी प्रतिनिधिमंडल के काटसुकी युसुके, होसाका शुन, विश्वविद्यालय के डॉ विजय कुमार यादव, डॉ सीएल मौर्य, डॉ पी के सिंह,डॉ पीके राठी आदि थे।

जापानी प्रतिनिधियों के साथ कुलपति।

दिनांक: 20.01.2023

कृत वित्तीय रूप से सुदृढ़ एवं अनुभवी
को पूर्वान्ह 11.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के
की प्रात: 10.00 बजे से दिनांक: 04.
वरण कार्यालय एवं उ०प्र० सरकार की
निम्न प्रकार है:–

	धरोहर धनराशि (रु० लाख)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	पंजीकरण श्रेणी
	2.49	6 माह	''द''

पुर के नाम भारतीय स्टेट बैंक नौबस्ता
खाता संख्या–30394511831, IFSC
ी के साथ संलग्न करना अनिवार्य है।

उपनिदेशक (निर्माण)
मण्डी परिषद, कानपुर

ताकि दूसरी पालों

दैनिक जागरण कानपुर 21/01/2023

जापानी कृषि तकनीक का हब बनेगा सीएसए, यंत्र भी होंगे तैयार

कृषि, वानिकी एवं मत्स्य मंत्रालय के काउंसलर संग सीएसए पहुंचा जापानी प्रतिनिधि मंडल, यहां निवेश के साथ ही लोगों को मिलेगा रोजगार

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए), जापानी कृषि तकनीक का हब बनने जा रहा है। जापान सरकार के कृषि, वानिकी और मत्स्य मंत्रालय के काउंसलर के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को कुलपति डा. बिजेन्द्र सिंह से जापानी तकनीक आधारित खेती के माडल फार्म के लिए जमीन व अन्य सुविधाओं की उपलब्धता पर चर्चा की है। जापान सरकार के काउंसलर ने बताया कि गुजरात के आणंद जिले में एक माडल फार्म तैयार किया गया है। खेती के साथ ही जापानी कंपनियां अपने कृषि उपकरण का निर्माण भी यहां करेंगी जिससे बड़े पैमाने पर निवेश होगा और लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

जापान सरकार के साथ 2018 में यूपी सरकार ने कृषि तकनीक हस्तांतरण व निवेश का करार किया है। जापान सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने सीएसए कुलपति डा. बिजेन्द्र सिंह, निदेशक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ हुई बैठक में अपनी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की। जापान सरकार के काउंसलर तकाशी योशीओका ने माडल फार्म का विकास करने के लिए एक हेक्टेयर जमीन की जरूरत बताई। माडल फार्म में जापानी बीजों व तकनीक के साथ फसलों का उत्पादन किया जाएगा और उप्र की जलवायु एवं मिट्टी के अनुरूप सफलता मिलने पर इसे पांच हेक्टेयर में विस्तार दिया जाएगा। अबे इचिरो निदेशक साउथ एशिया जापान ने बताया कि गुजरात के आणंद जिले में एक एनजीओ के साथ मिलकर उन्होंने कृषि तकनीक का सफल प्रयोग किया है। कृषि उत्पादन शुरू होने पर जापान की कृषि उपकरण निर्माता कंपनियां यूपी आएंगी और बड़े निवेश के साथ कृषि यंत्रों का उत्पादन भी करेंगी। अभी दिल्ली में एक कृषि यंत्र निर्माण फैक्ट्री लगाई गई है।

सीएसए में जापानी प्रतिनिधिमंडल के साथ कुलपति डा .बिजेंद्र सिंह ने बैठक की। साथ में कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के विशेष सचिव अजय कुमार द्विवेदी मौजूद रहे • जागरण

कुलपति ने कहा कि कृषि तकनीक को सीएसए के विज्ञानियों एवं विद्यार्थियों के साथ साझा करने को भी कार्य योजना में शामिल किया जाए। कृषि यंत्र व तकनीक को सस्ती व टिकाऊ होना चाहिए। बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने कल्याणपुर स्थित सब्जी उत्कृष्टता केंद्र पहुंचकर भारतीय कृषि तकनीक की जानकारी ली।

बैठक में प्रदेश सरकार के विशेष सचिव कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान अजय कुमार द्विवेदी, जापानी प्रतिनिधिमंडल के काटसुकी युसुके, होसाका शुन, सीएसए के डा. विजय यादव, डा. सीएल मौर्य, डा. पीके सिंह, डा. पीके राठी, डा. सुभाष चंद्रा, डा. डीपी सिंह, डा. रामबटुक सिंह, डा. राम प्यारे, डा. राजीव उपस्थित रहे।

हिंदुस्तान कानपुर

कानपुर में अब जापानी तकनीक से होगी खेती

- सीएसए पहुंचा जापान का प्रतिनिधिमंडल
- बिना मिट्टी पैदा हो रहीं सब्जियां देखने पहुंचे

कानपुर, वरिष्ठ संवाददाता। कानपुर में अब जापान की तकनीक से खेती की जाएगी। करीब एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में खेती में तकनीक का लाभ मिलने पर इसे चार हेक्टेयर में विस्तृत किया जाएगा। फिर जापानी तकनीक को यूपी के मौसम के अनुरूप हर जिले के छोटे-छोटे किसानों तक पहुंचाया जाएगा। यह बात सीएसए के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह और जापानी प्रतिनिधिमंडल के तकासी योशिका ने कही।

सीएसए विवि में एक समझौते के तहत जापान के वैज्ञानिकों का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को कानपुर आया। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने विवि में विकसित विभिन्न तकनीक के बारे में जानकारी दी। जापान का प्रतिनिधिमंडल कल्याणपुर स्थित शाकभाजी अनुसंधान केंद्र भी गया और हाइड्रोपोनिक सिस्टम से बिना मिट्टी पैदा की जा रही सब्जियों का निरीक्षण किया। डॉ. डीपी सिंह व डॉ. राम बटुक सिंह ने जापानी वैज्ञानिकों को सब्जियों की प्रजाति की विस्तृत जानकारी दी। साउथ एशिया जापान के निदेशक अबे इचिरो ने कहा कि इस समझौते का उद्देश्य किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है। जापान विकास कंपनी के सलाहकार डॉ. सुशील यामामोटा ने कहा कि प्रदेश में तकनीक का परीक्षण किया जाएगा। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि वैज्ञानिक मिलकर टिकाऊ खेती, वातावरण को बिना हानि, कम खर्चीली व अधिक उत्पादन वाली तकनीक पर काम करेंगे। इस मौके पर प्रदेश के विशेष सचिव कृषि अजय कुमार द्विवेदी, काटसुकी युसुके, होसाक शुन, डॉ. विजय कुमार यादव, डॉ सीएल मौर्य, डॉ. पीके सिंह रहे।